

Pradeep

05 Mar 1987

07:15 AM

Jeypore

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
05/03/1987 : _____ जन्म तिथि _____ : **4-05/03/2021**
 गुरुवार : _____ दिन _____ : गुरु-शुक्रवार
 घंटे 07:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 00:32:17 घंटे
 घटी 02:26:11 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 45:38:58 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jeypore : _____ स्थान _____ : Jeypore
 उत्तर 18:52:00 : _____ अक्षांश _____ : 18:52:00 उत्तर
 पूर्व 82:38:00 : _____ रेखांश _____ : 82:38:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:00:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:00:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:16:31 : _____ सूर्योदय _____ : 06:16:41
 18:05:40 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:05:54
 23:40:37 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:08:54

 मीन : _____ लग्न _____ : वृश्चिक
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 मेष : _____ राशि _____ : वृश्चिक
 मंगल : _____ राशि-स्वामी _____ : मंगल
 भरणी : _____ नक्षत्र _____ : अनुराधा
 शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शनि
 3 : _____ चरण _____ : 1
 ऐन्द्र : _____ योग _____ : हर्षण
 कौलव : _____ करण _____ : विष्टि
 ले-लेखपाल : _____ जन्म नामाक्षर _____ : ना-नन्दिता
 मीन : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मीन
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : विप्र
 चतुष्पाद : _____ वश्य _____ : कीटक
 गज : _____ योनि _____ : मृग
 मनुष्य : _____ गण _____ : देव
 मध्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : सर्प
 34 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 35

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०भाद्रपद	2	07:48:46	मीन			लग्न			वृश्चि	20:01:08	2	ज्येष्ठा
पू०भाद्रपद	1	20:16:24	कुंभ			सूर्य			कुंभ	20:16:24	1	पू०भाद्रपद
भरणी	3	23:05:13	मेष			चंद्र			वृश्चि	03:40:47	1	अनुराधा
भरणी	1	14:53:27	मेष			मंगल			वृष	06:13:39	3	कृत्तिका
शतभिषा	1	09:35:27	कुंभ	व	अ	बुध			मक	23:04:18	4	श्रवण
उ०भाद्रपद	2	06:52:00	मीन			गुरु			मक	23:19:12	4	श्रवण
उत्तराषाढ़ा	4	08:21:49	मक			शुक्र	अ	कुंभ	कुंभ	14:54:04	3	शतभिषा
ज्येष्ठा	4	26:55:11	वृश्चि			शनि			मक	14:43:10	2	श्रवण
रेवती	1	18:06:07	मीन			राहु	व	वृष	वृष	21:13:06	4	रोहिणी
हस्त	3	18:06:07	कन्या			केतु	व	वृश्चि	वृश्चि	21:13:06	2	ज्येष्ठा
मूल	1	02:43:48	धनु			मु			मक	07:48:46	4	उत्तराषाढ़ा

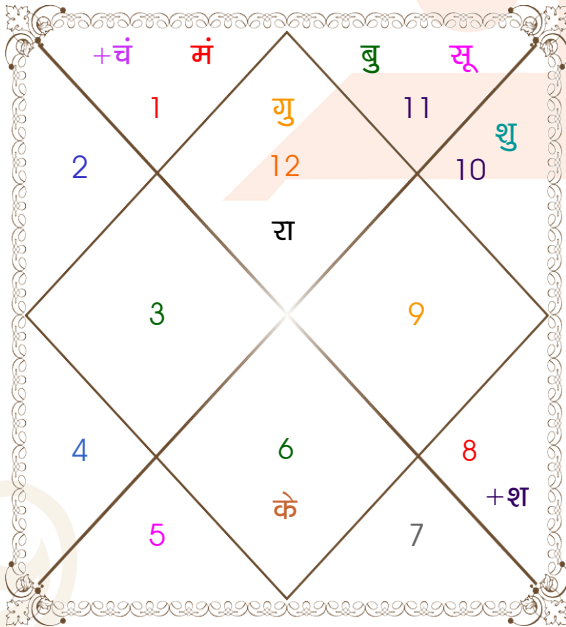
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

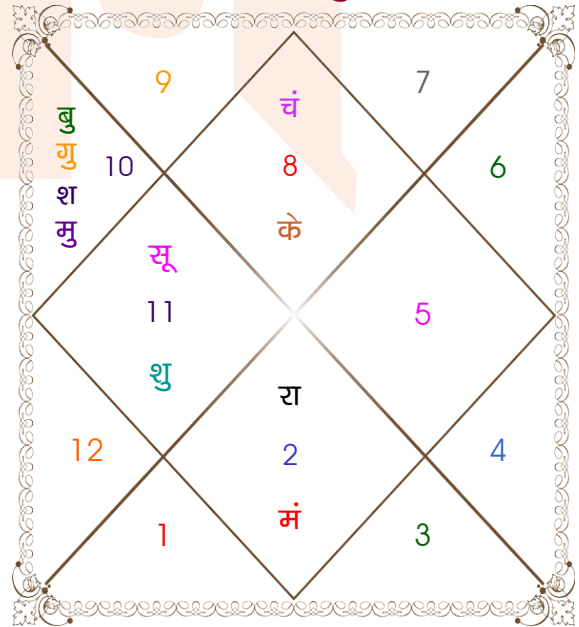
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:54

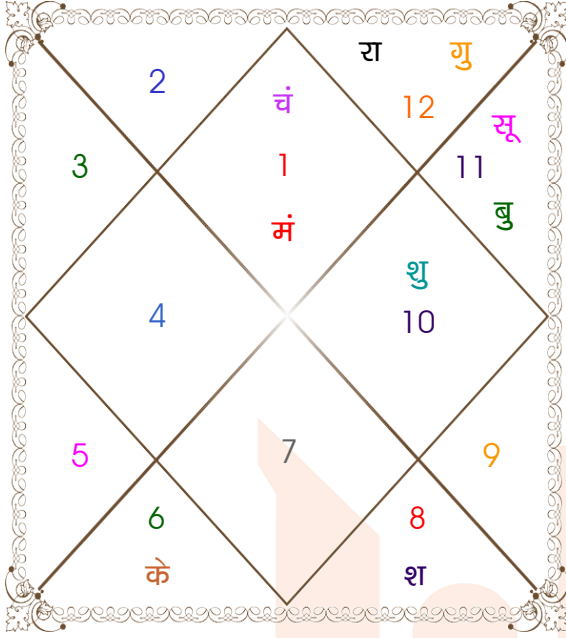
लग्न-चलित



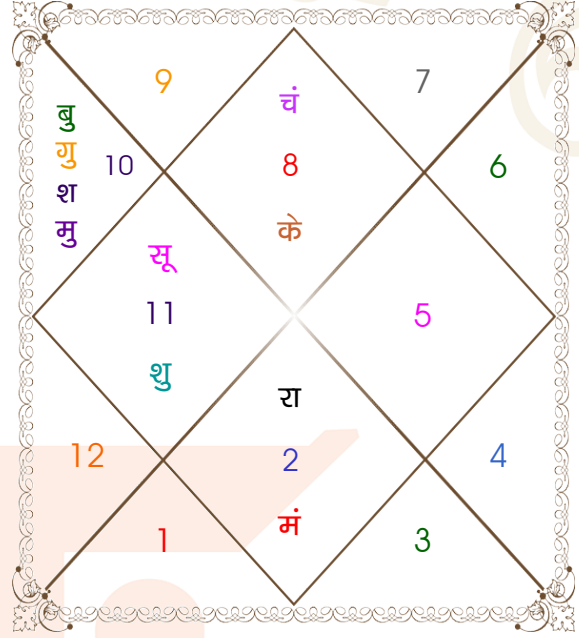
वर्ष लग्न कुंडली



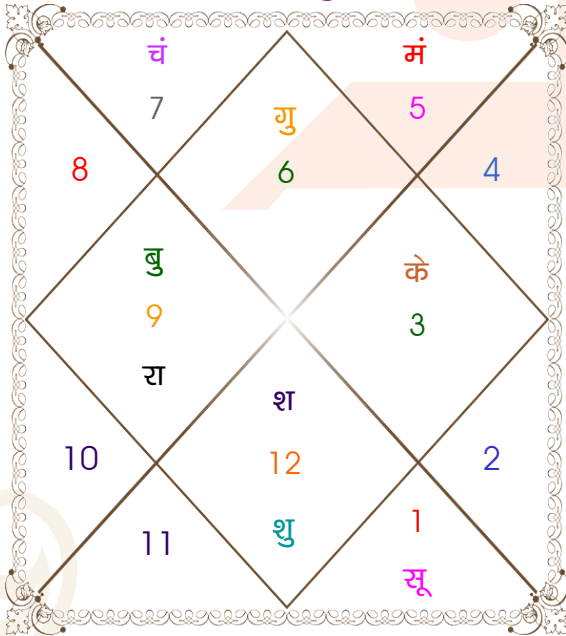
चन्द्र कुंडली



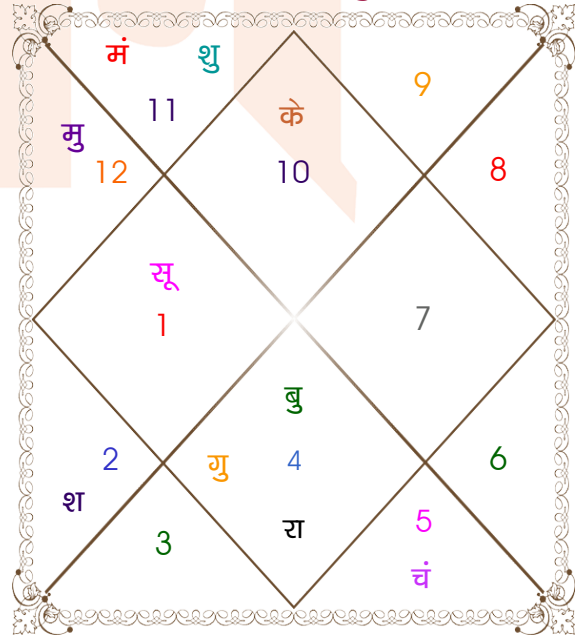
वर्ष चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



वर्ष नवमांश कुंडली



मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	सम
चन्द्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
मंगल	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु	सम	शत्रु
गुरु	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	---	सम	शत्रु
शुक्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	---	सम
शनि	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृश्चि	कुंभ	वृश्चि	वृष	मक	मक	कुंभ	मक
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	वृष	कर्क	वृश्चि	कन्या	सिंह	सिंह	मिथु	वृश्चि
चतुर्थांश	वृष	सिंह	वृश्चि	वृष	तुला	तुला	वृष	मेष
पंचमांश	मक	मिथु	वृष	कन्या	मक	मक	धनु	मीन
षष्ठांश	कुंभ	सिंह	तुला	वृश्चि	कुंभ	कुंभ	मिथु	धनु
सप्तमांश	कन्या	मिथु	वृष	धनु	धनु	धनु	वृष	तुला
अष्टमांश	मक	मक	सिंह	कन्या	तुला	तुला	वृश्चि	कर्क
नवमांश	मक	मेष	सिंह	कुंभ	कर्क	कर्क	कुंभ	वृष
दशमांश	मक	सिंह	सिंह	मीन	मेष	मेष	मिथु	मक
एकादशांश	वृष	सिंह	वृश्चि	मिथु	सिंह	सिंह	मिथु	वृष
द्वादशांश	कर्क	तुला	धनु	कर्क	तुला	तुला	कर्क	मिथु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	स्व
होरा	शत्रु	स्व	शत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	मित्र
चतुर्थांश	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	सम	स्व	मित्र
पंचमांश	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
षष्ठांश	स्व	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
सप्तमांश	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	स्व	सम
अष्टमांश	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
नवमांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
दशमांश	स्व	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	स्व
एकादशांश	स्व	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	सम
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु
शुभ	4	2	8	2	3	2	6
सम	4	0	0	6	6	7	3
अशुभ	4	10	4	4	3	3	3
कुल	सम	अशुभ	शुभ	अशुभ	सम	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	5
तृतीय बल	5	5	0	5	0	0	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल बल	5	10	0	10	0	5	15
	क्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण	बली

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	7.50	7.50	7.50	15.00	30.00
उच्च बल	14.47	0.08	9.09	5.77	2.04	15.32	10.59
हृदय बल	3.75	3.75	3.75	3.75	3.75	7.50	7.50
द्रेष्काण	2.50	2.50	7.50	5.00	5.00	5.00	7.50
नवमांश	1.25	1.25	3.75	3.75	3.75	2.50	2.50
कुल	36.97	15.08	31.59	25.77	22.04	45.32	58.09
विंशोपक बल	9.24	3.77	7.90	6.44	5.51	11.33	14.52
	सामान्य	क्षीण	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	5.51	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	मंगल	7.90	अति अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शनि	14.52	शुभ	शनि
दिवापति	मंगल	7.90	अति अशुभ	
त्रिराशिपति	शुक्र	11.33	अशुभ	

सहम

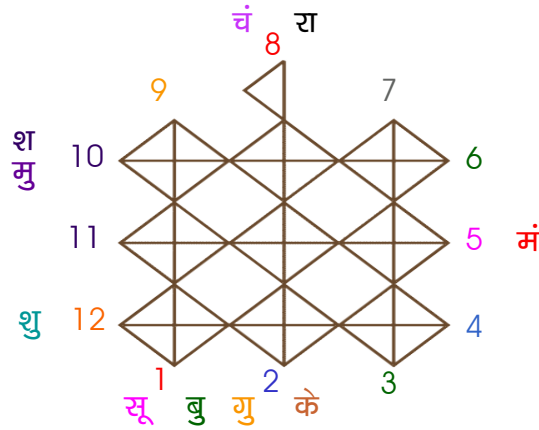
सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	मीन	06:36:45	गुरु	20/04/2021
गुरु	कन्या	03:25:31	बुध	29/08/2021
ज्ञान	कन्या	03:25:31	बुध	29/08/2021
यश	कुम्भ	03:18:40	शनि	25/03/2021
मित्र	सिंह	18:05:18	सूर्य	14/08/2021
माहात्म्य	कुम्भ	19:38:02	शनि	12/04/2021
आशा	मकर	20:12:02	शनि	11/03/2021
समर्थ	धनु	20:01:08	गुरु	25/01/2022
भातृ	धनु	28:37:10	गुरु	03/02/2022
गौरव	मकर	00:37:59	शनि	22/03/2022
राजा	मकर	25:34:21	शनि	16/03/2021
पितृ	मकर	25:34:21	शनि	16/03/2021
मातृ	मीन	01:14:25	गुरु	14/04/2021
सुत	कुम्भ	09:39:33	शनि	01/04/2021
जीव	वृश्चिक	11:25:06	मंगल	11/08/2021
अम्बु	मीन	01:14:25	गुरु	14/04/2021
कर्म	सिंह	06:51:47	सूर्य	04/08/2021
रोग	वृश्चिक	03:40:47	मंगल	05/08/2021
कामदेव	वृष	22:33:59	शुक्र	19/06/2021
कलि	मेष	02:55:34	मंगल	12/02/2022
क्षेम	मेष	02:55:34	मंगल	12/02/2022
शास्त्र	कुम्भ	14:28:16	शनि	06/04/2021
बन्धु	कुम्भ	09:24:39	शनि	01/04/2021
बंधक	कुम्भ	09:24:39	शनि	01/04/2021
मृत्यु	कन्या	03:03:27	बुध	29/08/2021

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	सिंह	10:21:20	सूर्य	07/08/2021
अर्थ	तुला	18:42:59	शुक्र	13/09/2021
परदारा	वृश्चिक	14:38:48	मंगल	14/08/2021
अन्यकर्म	तुला	08:58:44	शुक्र	05/09/2021
वणिक	तुला	00:37:37	शुक्र	29/08/2021
कार्यसिद्धि	धनु	09:09:57	गुरु	14/01/2022
विवाह	मकर	20:12:02	शनि	11/03/2021
प्रसूति	धनु	20:16:02	गुरु	25/01/2022
संताप	सिंह	03:03:27	सूर्य	31/07/2021
श्रद्धा	सिंह	28:41:34	सूर्य	23/08/2021
प्रीति	मिथुन	16:49:54	बुध	17/08/2021
बल	कुम्भ	03:18:40	शनि	25/03/2021
देह	कुम्भ	03:18:40	शनि	25/03/2021
जाडय	वृष	14:34:46	शुक्र	10/06/2021
व्यापार	मेष	03:10:28	मंगल	13/02/2022
जलपतन	वृष	14:34:46	शुक्र	10/06/2021
शत्रु	मेष	11:31:36	मंगल	21/02/2022
शौर्य	कन्या	20:24:14	बुध	12/09/2021
उपाय	वृश्चिक	11:25:06	मंगल	11/08/2021
दरिद्रता	मीन	06:36:45	गुरु	20/04/2021
गुरुता	कुम्भ	09:44:44	शनि	01/04/2021
जलपथ	मिथुन	20:17:57	बुध	21/08/2021
बंधन	कुम्भ	11:54:42	शनि	04/04/2021
कन्या	मीन	01:14:25	गुरु	14/04/2021
अश्व	वृश्चिक	10:21:20	मंगल	10/08/2021

वर्ष त्रिपताकी कुंडली



पात्यंश दशा

चंद्र	मंगल	शनि	शुक्र	लग्न
05/03/2021	01/05/2021	10/06/2021	21/10/2021	24/10/2021
01/05/2021	10/06/2021	21/10/2021	24/10/2021	12/01/2022
चंद्र 14/03/2021	मंगल 06/05/2021	शनि 28/07/2021	शुक्र 21/10/2021	लग्न 11/11/2021
मंगल 20/03/2021	शनि 20/05/2021	शुक्र 30/07/2021	लग्न 22/10/2021	सूर्य 11/11/2021
शनि 10/04/2021	शुक्र 20/05/2021	लग्न 28/08/2021	सूर्य 22/10/2021	बुध 21/11/2021
शुक्र 10/04/2021	लग्न 29/05/2021	सूर्य 29/08/2021	बुध 22/10/2021	गुरु 22/11/2021
लग्न 23/04/2021	सूर्य 30/05/2021	बुध 14/09/2021	गुरु 22/10/2021	चंद्र 04/12/2021
सूर्य 24/04/2021	बुध 03/06/2021	गुरु 16/09/2021	चंद्र 23/10/2021	मंगल 13/12/2021
बुध 01/05/2021	गुरु 04/06/2021	चंद्र 07/10/2021	मंगल 23/10/2021	शनि 11/01/2022
गुरु 01/05/2021	चंद्र 10/06/2021	मंगल 21/10/2021	शनि 24/10/2021	शुक्र 12/01/2022

सूर्य	बुध	गुरु	गुरु	गुरु
12/01/2022	16/01/2022	01/03/2022	01/03/2022	01/03/2022
16/01/2022	01/03/2022	05/03/2022	05/03/2022	05/03/2022
सूर्य 12/01/2022	बुध 21/01/2022	गुरु 01/03/2022	गुरु 01/03/2022	गुरु 01/03/2022
बुध 13/01/2022	गुरु 22/01/2022	चंद्र 02/03/2022	चंद्र 02/03/2022	चंद्र 02/03/2022
गुरु 13/01/2022	चंद्र 29/01/2022	मंगल 02/03/2022	मंगल 02/03/2022	मंगल 02/03/2022
चंद्र 13/01/2022	मंगल 02/02/2022	शनि 03/03/2022	शनि 03/03/2022	शनि 03/03/2022
मंगल 14/01/2022	शनि 18/02/2022	शुक्र 03/03/2022	शुक्र 03/03/2022	शुक्र 03/03/2022
शनि 15/01/2022	शुक्र 19/02/2022	लग्न 04/03/2022	लग्न 04/03/2022	लग्न 04/03/2022
शुक्र 15/01/2022	लग्न 28/02/2022	सूर्य 04/03/2022	सूर्य 04/03/2022	सूर्य 04/03/2022
लग्न 16/01/2022	सूर्य 01/03/2022	बुध 05/03/2022	बुध 05/03/2022	बुध 05/03/2022

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
05/03/2021	25/04/2021	17/05/2021	16/07/2021	04/08/2021
25/04/2021	17/05/2021	16/07/2021	04/08/2021	03/09/2021
बुध 12/03/2021	केतु 27/04/2021	शुक्र 27/05/2021	सूर्य 17/07/2021	चंद्र 06/08/2021
केतु 15/03/2021	शुक्र 30/04/2021	सूर्य 30/05/2021	चंद्र 19/07/2021	मंगल 08/08/2021
शुक्र 23/03/2021	सूर्य 01/05/2021	चंद्र 04/06/2021	मंगल 20/07/2021	राहु 13/08/2021
सूर्य 26/03/2021	चंद्र 03/05/2021	मंगल 07/06/2021	राहु 23/07/2021	गुरु 17/08/2021
चंद्र 30/03/2021	मंगल 04/05/2021	राहु 17/06/2021	गुरु 25/07/2021	शनि 21/08/2021
मंगल 02/04/2021	राहु 07/05/2021	गुरु 25/06/2021	शनि 28/07/2021	बुध 26/08/2021
राहु 10/04/2021	गुरु 10/05/2021	शनि 04/07/2021	बुध 31/07/2021	केतु 28/08/2021
गुरु 17/04/2021	शनि 14/05/2021	बुध 13/07/2021	केतु 01/08/2021	शुक्र 02/09/2021
शनि 25/04/2021	बुध 17/05/2021	केतु 16/07/2021	शुक्र 04/08/2021	सूर्य 03/09/2021

मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध
03/09/2021	24/09/2021	18/11/2021	06/01/2022	05/03/2022
24/09/2021	18/11/2021	06/01/2022	05/03/2022	00/00/0000
मंगल 04/09/2021	राहु 03/10/2021	गुरु 25/11/2021	शनि 15/01/2022	बुध 05/03/2022
राहु 08/09/2021	गुरु 10/10/2021	शनि 02/12/2021	बुध 23/01/2022	00/00/0000
गुरु 10/09/2021	शनि 19/10/2021	बुध 09/12/2021	केतु 27/01/2022	00/00/0000
शनि 14/09/2021	बुध 26/10/2021	केतु 12/12/2021	शुक्र 05/02/2022	00/00/0000
बुध 17/09/2021	केतु 30/10/2021	शुक्र 20/12/2021	सूर्य 08/02/2022	00/00/0000
केतु 18/09/2021	शुक्र 08/11/2021	सूर्य 23/12/2021	चंद्र 13/02/2022	00/00/0000
शुक्र 22/09/2021	सूर्य 10/11/2021	चंद्र 27/12/2021	मंगल 16/02/2022	00/00/0000
सूर्य 23/09/2021	चंद्र 15/11/2021	मंगल 30/12/2021	राहु 25/02/2022	00/00/0000
चंद्र 24/09/2021	मंगल 18/11/2021	राहु 06/01/2022	गुरु 05/03/2022	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शनि - शुक्र		राहु - शनि - सूर्य		राहु - शनि - चंद्र		राहु - शनि - मंगल	
31/08/2021 01:21		20/02/2022 13:12		13/04/2022 14:22		09/07/2022 08:17	
20/02/2022 13:12		13/04/2022 14:22		09/07/2022 08:17		08/09/2022 01:38	
शुक्र	28/09/2021 23:20	सूर्य	23/02/2022 03:40	चंद्र	20/04/2022 19:51	मंगल	12/07/2022 21:18
सूर्य	07/10/2021 15:31	चंद्र	27/02/2022 11:46	मंगल	25/04/2022 21:18	राहु	21/07/2022 23:54
चंद्र	22/10/2021 02:31	मंगल	02/03/2022 12:38	राहु	08/05/2022 21:35	गुरु	30/07/2022 02:13
मंगल	01/11/2021 05:24	राहु	10/03/2022 08:00	गुरु	20/05/2022 11:11	शनि	08/08/2022 16:58
राहु	27/11/2021 05:59	गुरु	17/03/2022 06:33	शनि	03/06/2022 04:49	बुध	17/08/2022 07:25
गुरु	20/12/2021 09:10	शनि	25/03/2022 12:20	बुध	15/06/2022 11:45	केतु	20/08/2022 20:26
शनि	16/01/2022 20:26	बुध	01/04/2022 21:18	केतु	20/06/2022 13:12	शुक्र	30/08/2022 23:19
बुध	10/02/2022 10:19	केतु	04/04/2022 22:10	शुक्र	05/07/2022 00:11	सूर्य	03/09/2022 00:11
केतु	20/02/2022 13:12	शुक्र	13/04/2022 14:22	सूर्य	09/07/2022 08:17	चंद्र	08/09/2022 01:38
राहु - शनि - राहु		राहु - शनि - गुरु		राहु - बुध - बुध		राहु - बुध - केतु	
08/09/2022 01:38		11/02/2023 05:06		30/06/2023 00:11		08/11/2023 22:54	
11/02/2023 05:06		30/06/2023 00:11		08/11/2023 22:54		02/01/2024 06:50	
राहु	01/10/2022 11:45	गुरु	01/03/2023 17:15	बुध	18/07/2023 16:48	केतु	12/11/2023 02:58
गुरु	22/10/2022 07:25	शनि	23/03/2023 16:40	केतु	26/07/2023 09:31	शुक्र	21/11/2023 04:17
शनि	16/11/2022 00:46	बुध	12/04/2023 08:34	शुक्र	17/08/2023 09:19	सूर्य	23/11/2023 21:29
बुध	08/12/2022 03:39	केतु	20/04/2023 10:53	सूर्य	23/08/2023 23:39	चंद्र	28/11/2023 10:09
केतु	17/12/2022 06:15	शुक्र	13/05/2023 14:04	चंद्र	03/09/2023 23:32	मंगल	01/12/2023 14:12
शुक्र	12/01/2023 06:50	सूर्य	20/05/2023 12:37	मंगल	11/09/2023 16:16	राहु	09/12/2023 17:48
सूर्य	20/01/2023 02:13	चंद्र	01/06/2023 02:12	राहु	01/10/2023 11:16	गुरु	16/12/2023 23:39
चंद्र	02/02/2023 02:30	मंगल	09/06/2023 04:31	गुरु	19/10/2023 01:30	शनि	25/12/2023 14:07
मंगल	11/02/2023 05:06	राहु	30/06/2023 00:11	शनि	08/11/2023 22:54	बुध	02/01/2024 06:50
राहु - बुध - शुक्र		राहु - बुध - सूर्य		राहु - बुध - चंद्र		राहु - बुध - मंगल	
02/01/2024 06:50		05/06/2024 12:23		22/07/2024 02:03		07/10/2024 16:50	
05/06/2024 12:23		22/07/2024 02:03		07/10/2024 16:50		01/12/2024 00:46	
शुक्र	28/01/2024 03:46	सूर्य	07/06/2024 20:16	चंद्र	28/07/2024 13:17	मंगल	10/10/2024 20:54
सूर्य	04/02/2024 22:03	चंद्र	11/06/2024 17:25	मंगल	02/08/2024 01:57	राहु	19/10/2024 00:29
चंद्र	17/02/2024 20:30	मंगल	14/06/2024 10:37	राहु	13/08/2024 17:22	गुरु	26/10/2024 06:21
मंगल	26/02/2024 21:50	राहु	21/06/2024 10:15	गुरु	24/08/2024 01:44	शनि	03/11/2024 20:48
राहु	21/03/2024 04:40	गुरु	27/06/2024 15:17	शनि	05/09/2024 08:40	बुध	11/11/2024 13:32
गुरु	10/04/2024 21:24	शनि	05/07/2024 00:15	बुध	16/09/2024 08:34	केतु	14/11/2024 17:35
शनि	05/05/2024 11:17	बुध	11/07/2024 14:35	केतु	20/09/2024 21:14	शुक्र	23/11/2024 18:55
बुध	27/05/2024 11:04	केतु	14/07/2024 07:47	शुक्र	03/10/2024 19:41	सूर्य	26/11/2024 12:07
केतु	05/06/2024 12:23	शुक्र	22/07/2024 02:03	सूर्य	07/10/2024 16:50	चंद्र	01/12/2024 00:46

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हों तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशों के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह चंद्र (वृश्चि 03:40:47), एवं मन्दगति ग्रह मंगल (वृष 06:13:39), के मध्य है।

वर्ष में यह योग उन्नति एवं सफलता का द्योतक माना जाता है तथा उस वर्ष जातक को मनोवांछित सफलताएं मिलती हैं। अतः इसके शुभ प्रभाव से इस समय आपका भाग्योदय होगा तथा रुके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं प्रसिद्धि भी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होगा। राजनीति में सक्रिय लोगों को ऐसे समय में राजनैतिक लाभ अवश्य मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए वर्ष उत्तम रहेगा तथा शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें वांछित सफलता मिलेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा। अतः वर्ष में प्राप्त हुए सुअवसरों का यत्नपूर्वक सदुपयोग करने में तत्पर रहें। इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह मंगल (वृष 06:13:39), एवं मन्दगति ग्रह शनि (मक 14:43:10), के मध्य है।

यह योग वर्ष में अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता प्रदान करने वाला माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपको भाइयों से पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता उत्पन्न होगी। इस समय आपकी आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी तथा उत्साह एवं

पराक्रम से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपको संचार सुविधाएं यथा टेलीफोन आदि भी मिल सकता है। माता के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी वर्ष उत्तम रहेगा तथा उनसे वांछित सहयोग की प्राप्ति होगी इस समय आपको भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी तथा इनमें वृद्धि भी होगी। साथ ही इस वर्ष मे मकान जमीन जायदाद या वाहन आदि की भी प्राप्ति होगी। स्नातक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की दृष्टि से यह वर्ष बहुत ही अच्छा रहेगा तथा उन्हें इस परीक्षा में वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभफलदायक रहेगा। अतः सुअवसरों को हाथ से न जाने दें।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है। यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो यह एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को दे देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह मन्दगति ग्रह शीघ्रगति वाले ग्रह को तेज दे देता है।

यमया योग मंगल तथा गुरु के मध्य है क्योंकि शनि मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी। व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंभ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होंगे जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभावशाली लोगों से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को

भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग मंगल और शनि के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का मंगल से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आपसी संबन्धों में मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमत्ता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक हैं तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्थशाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

खल्लासर योग मंगल और चंद्र के मध्य बन रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय आपको सन्तति पक्ष से पूर्ण सुख की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे वांछित उन्नति एवं सफलताएं अर्जित करेंगे। सन्तति की अपेक्षा करने वालों को इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष में पुत्र रत्न की प्राप्ति हो सकती है। राजनीति में सक्रिय लोग इस समय राजनैतिक लाभ अर्जित करेंगे तथा अन्य जनों को सरकार या उत्तराधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त धनैश्वर्य की वृद्धि होगी तथा परिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि भी बनी रहेगी। साथ ही अपने वाक्चातुर्य से सामाजिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए वर्ष वांछित सफलता प्रदान करेगा।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो

और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वग्रह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वग्रही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरुफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरुफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्धेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरुष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते हैं। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यों से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्-

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्दिहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रुचिशील रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबंधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार संबंधी कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों, मित्रों तथा संबंधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वकी एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा कूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथा:-

षष्ठेऽष्टमेऽन्ये भुवि वेन्धिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
कूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्भुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

*

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह एवं पराक्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको समय समय पर वांछित सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। इस समय भाइयों से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा उनके मध्य आपके सम्मान में वृद्धि होगी साथ ही आप उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपको सांसारिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। इस समय आप नवीन कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें आपको वांछित सफलता मिलेगी। साथ ही संतति पक्ष से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा अपने अपने क्षेत्र में वे सफलता अर्जित करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग तथा राजनैतिक व्यक्तियों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा इनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त होगा। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर होंगे तथा व्यापारिक क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। साथ ही किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारम्भ कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्योदय कारक रहेगा तथा प्रसन्नतापूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे।



अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथा:-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

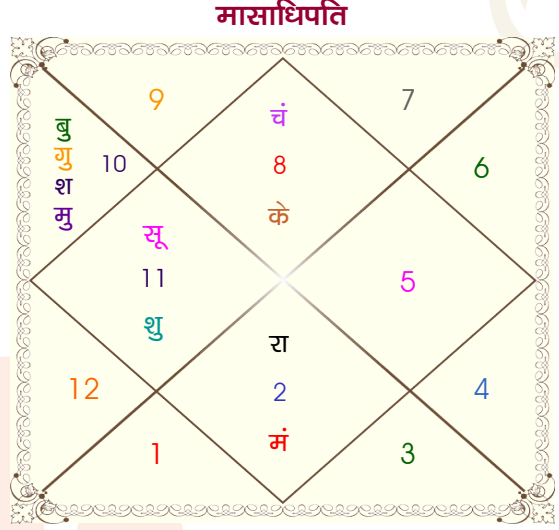
शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा तथा मानसिक शान्ति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे एवं इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही इस समय आपके विगत रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख शान्ति इस वर्ष उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। स्त्री से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। अतः आपका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। इस वर्ष में आपकी लाभ दायक यात्राएं होगी तथा भविष्य में भी इनसे लाभ की संभावनाएं बनेगी। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करेंगे एवं इनका आनन्दपूर्वक उपभोग करेंगे। मित्र एवं संबंधियों से भी आपके संबंध अच्छे रहेंगे तथा इनसे वांछित सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम एवं प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आपकी सुदृढ़ता बनी रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

प्रथम मास

05/03/2021 00:32:17 से 04/04/2021 05:01:04 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:01:08
सूर्य	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:16:24
चन्द्र	वृश्चिक	अनुराधा	03:40:47
मंगल	वृष	कृतिका	06:13:39
बुध	मकर	श्रवण	23:04:18
गुरु	मकर	श्रवण	23:19:12
शुक्र	कुम्भ	शतभिषा	14:54:04
शनि	मकर	श्रवण	14:43:10
राहु	व वृष	रोहिणी	21:13:06
केतु	व वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:13:06
मुंथा	मकर	उत्तराषाढ़ा	07:48:46



मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा। धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

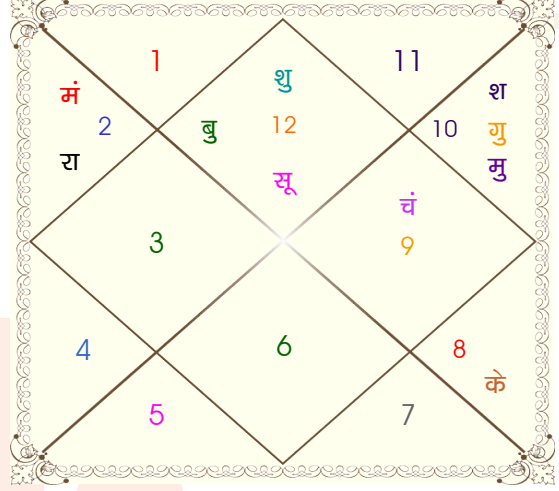
साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास

04/04/2021 05:01:04 से 04/05/2021 22:00:37 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	पू०भाद्रपद	03:10:37
सूर्य	मीन	रेवती	20:16:24
चन्द्र	धनु	पूर्वाषाढा	14:42:01
मंगल	वृष	मृगशिरा	24:04:46
बुध	मीन	उ०भाद्रपद	05:32:28
गुरु	मकर	धनिष्ठा	29:39:23
शुक्र	मीन	रेवती	22:29:04
शनि	मकर	श्रवण	17:27:03
राहु	वृष	रोहिणी	18:24:51
केतु	वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:24:51
मुंथा	मकर	श्रवण	10:18:46

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रुचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगे संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

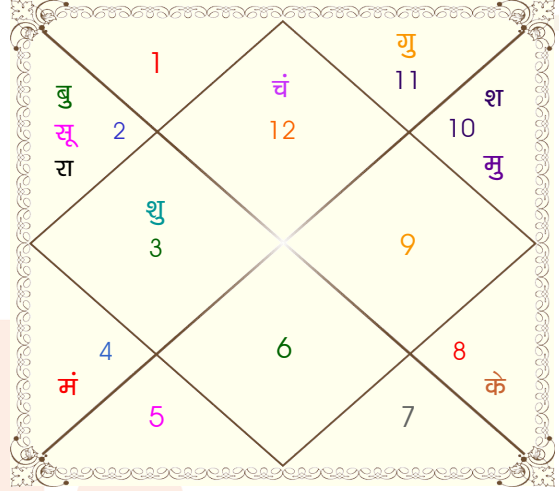
इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

चतुर्थ मास

05/06/2021 01:57:12 से 06/07/2021 12:09:28 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	रेवती	22:17:07
सूर्य	वृष	रोहिणी	20:16:24
चन्द्र	मीन	रेवती	19:16:09
मंगल	कर्क	पुनर्वसु	01:43:03
बुध	व वृष	मृगशिरा	29:19:58
गुरु	कुम्भ	शतभिषा	07:38:09
शुक्र	मिथुन	आर्द्रा	08:39:20
शनि	व मकर	श्रवण	19:14:28
राहु	वृष	रोहिणी	16:35:39
केतु	वृश्चिक	अनुराधा	16:35:39
मुंथा	मकर	श्रवण	15:18:46

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

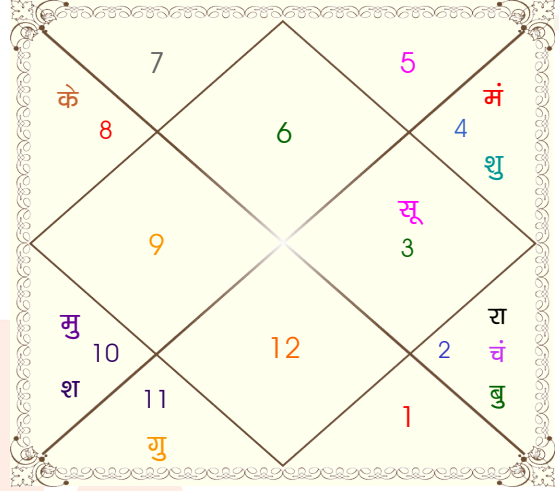
साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम् मास

06/07/2021 12:09:28 से 06/08/2021 22:04:35 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	हस्त	21:54:41
सूर्य	मिथुन	पुनर्वसु	20:16:24
चन्द्र	वृष	कृतिका	08:26:10
मंगल	कर्क	आश्लेषा	21:07:45
बुध	वृष	मृगशिरा	28:58:24
गुरु	व कुम्भ	शतभिषा	07:38:28
शुक्र	कर्क	आश्लेषा	16:51:38
शनि	व मकर	श्रवण	17:54:59
राहु	वृष	रोहिणी	16:19:17
केतु	वृश्चिक	अनुराधा	16:19:17
मुंथा	मकर	श्रवण	17:48:46

मासाधिपति



मासाधिपति : बुध

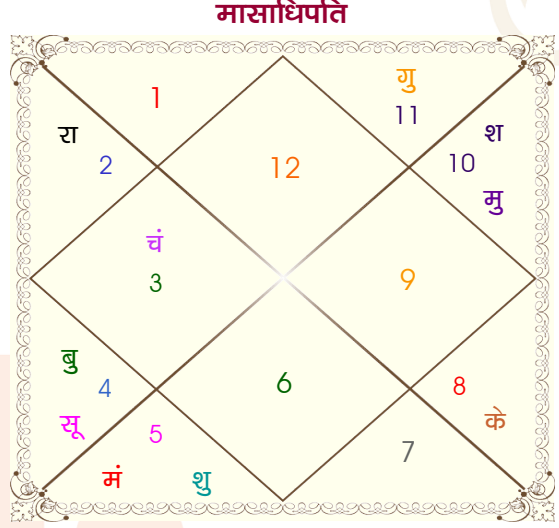
यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास

06/08/2021 22:04:35 से 07/09/2021 01:15:55 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	रेवती	27:00:21
सूर्य	कर्क	आश्लेषा	20:16:24
चन्द्र	मिथुन	पुनर्वसु	28:00:12
मंगल	सिंह	मघा	10:46:19
बुध	कर्क	आश्लेषा	25:47:33
गुरु	व कुम्भ	धनिष्ठा	04:47:05
शुक्र	सिंह	पूर्वाफाल्गुनी	24:34:42
शनि	व मकर	श्रवण	15:42:02
राहु	व वृष	रोहिणी	14:32:36
केतु	व वृश्चिक	अनुराधा	14:32:36
मुंथा	मकर	श्रवण	20:18:46



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रुचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

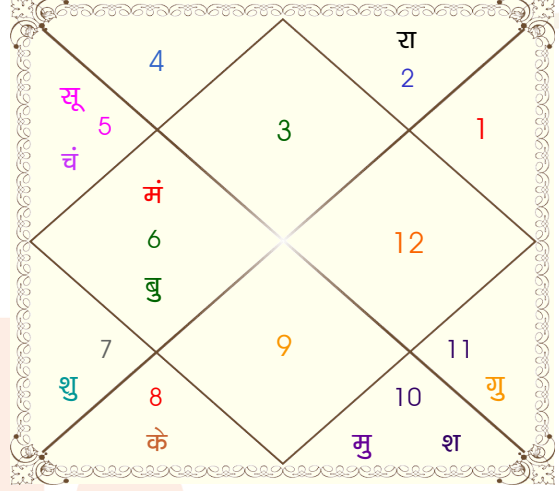
साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत्त रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास

07/09/2021 01:15:55 से 07/10/2021 17:17:16 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	आर्द्रा	18:16:38
सूर्य	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:16:24
चन्द्र	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:33:31
मंगल	कन्या	उ०फाल्गुनी	00:34:11
बुध	कन्या	हस्त	15:57:13
गुरु	व कुम्भ	धनिष्ठा	00:49:29
शुक्र	तुला	चित्रा	01:10:47
शनि	व मकर	श्रवण	13:39:26
राहु	व वृष	रोहिणी	11:11:53
केतु	व वृश्चिक	अनुराधा	11:11:53
मुंथा	मकर	श्रवण	22:48:46

मासाधिपति



मासाधिपति : बुध

इस मास में आप सामान्यतया शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव अल्प मात्रा में रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इससे आप में दुर्बलता भी आएगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी करेंगे साथ ही अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा इस समय मुकद्दमे आदि में भी धन का व्यय हो सकता है। अतः संयमपूर्वक इस समय को व्यतीत करें अन्यथा कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती है।

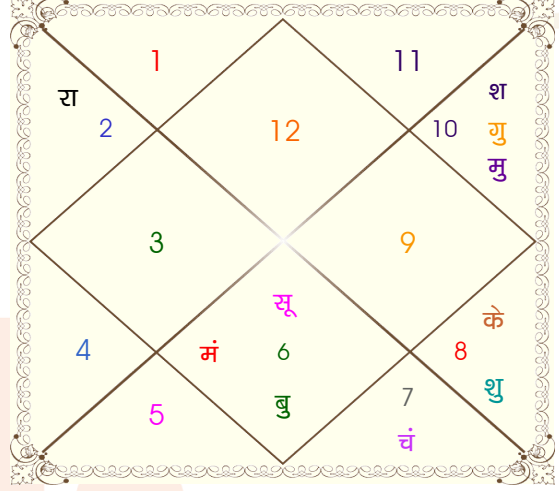
परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा उससे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही समाज में आप यश भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास

07/10/2021 17:17:16 से 06/11/2021 20:52:08 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	उ०भाद्रपद	13:14:51
सूर्य	कन्या	हस्त	20:16:24
चन्द्र	तुला	चित्रा	04:16:10
मंगल	कन्या	हस्त	20:29:45
बुध	व कन्या	चित्रा	25:00:02
गुरु	व मकर	धनिष्ठा	28:21:56
शुक्र	वृश्चिक	अनुराधा	05:51:49
शनि	व मकर	श्रवण	12:43:59
राहु	व वृष	कृतिका	08:28:32
केतु	व वृश्चिक	अनुराधा	08:28:32
मुंथा	मकर	धनिष्ठा	25:18:46

मासाधिपति



मासाधिपति : बुध

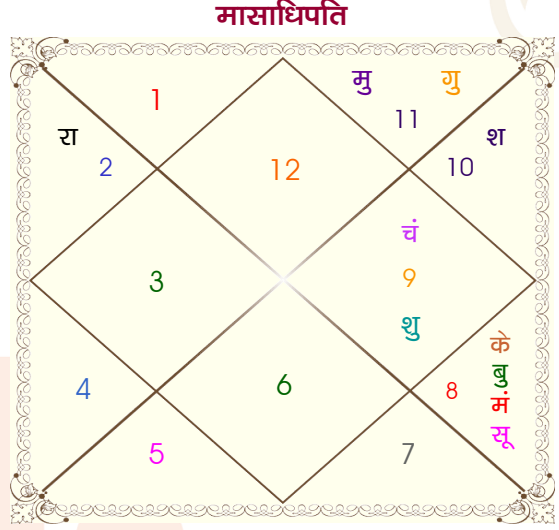
इस मास को आप सुख तथा प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस मास में आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन भी पूर्ण प्रसन्न रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रुचिशील रहेंगे। मित्रों एवं संबंधियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में आपको मनोच्छिन्न द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में यश तथा सम्मान प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः इस मास को आप सुखपूर्वक व्यतीत करेंगे।

दशम् मास

06/12/2021 14:02:07 से 05/01/2022 01:24:37 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	रेवती	26:08:03
सूर्य	वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:16:24
चन्द्र	धनु	पूर्वाषाढा	19:03:00
मंगल	वृश्चिक	विशाखा	00:55:37
बुध	वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:14:50
गुरु	कुम्भ	धनिष्ठा	01:58:15
शुक्र	धनु	उत्तराषाढा	29:08:43
शनि	मकर	श्रवण	15:14:46
राहु	व वृष	कृतिका	07:33:16
केतु	व वृश्चिक	अनुराधा	07:33:16
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	00:18:46



मासाधिपति : मंगल

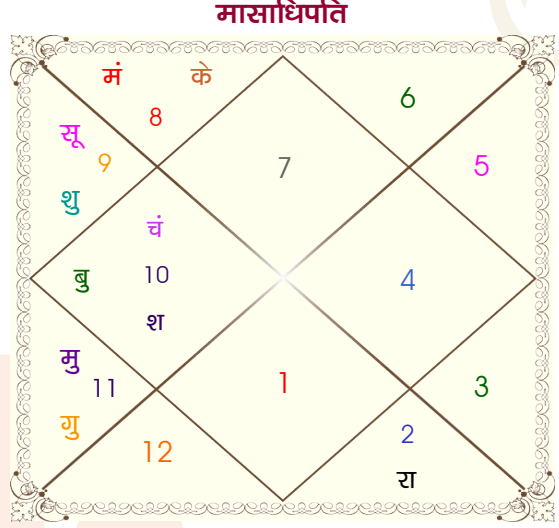
यह मास आपके लिए अशुभ अधिक तथा शुभ अल्प मात्रा में रहेगा। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति प्राप्त होगी जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य कठिन परिश्रम करने के बाद भी सफल नहीं होंगे। इस मास में धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि होती रहेगी। इस समय मित्रों एवं बन्धुओं से आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव रहेगा। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रुपक्ष से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को प्रारम्भ करेंगे उसी में असफलता मिलेगी। अतः संयम पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से वांछित सहयोग अर्जित करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि को भी प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा।

एकादश मास

05/01/2022 01:24:37 से 03/02/2022 12:59:27 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	स्वाति	09:20:52
सूर्य	धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:16:24
चन्द्र	मकर	श्रवण	18:52:31
मंगल	वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:39:56
बुध	मकर	उत्तराषाढ़ा	09:09:28
गुरु	कुम्भ	शतभिषा	07:08:41
शुक्र	व धनु	उत्तराषाढ़ा	27:05:03
शनि	मकर	श्रवण	18:09:41
राहु	व वृष	कृतिका	06:43:33
केतु	व वृश्चिक	अनुराधा	06:43:33
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	02:48:46



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे। साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

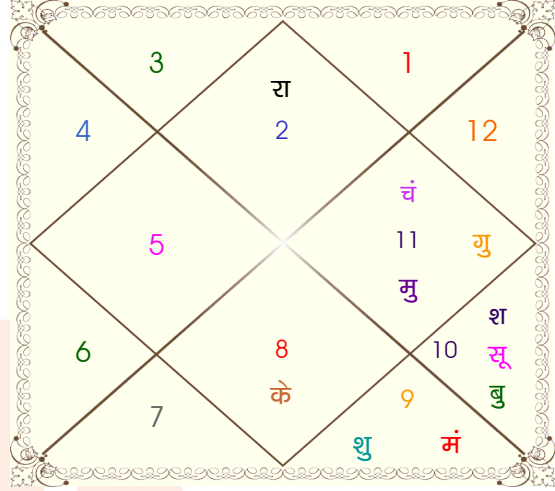
साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास

03/02/2022 12:59:27 से 05/03/2022 06:43:51 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृष	रोहिणी	13:51:13
सूर्य	मकर	श्रवण	20:16:24
चन्द्र	कुम्भ	शतभिषा	17:55:13
मंगल	धनु	मूल	12:57:29
बुध	व मकर	उत्तराषाढ़ा	00:15:43
गुरु	कुम्भ	शतभिषा	13:35:04
शुक्र	धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:23:43
शनि	मकर	श्रवण	21:35:59
राहु	व वृष	कृतिका	04:10:21
केतु	व वृश्चिक	अनुराधा	04:10:21
मुंथा	कुम्भ	धनिष्ठा	05:18:46

मासाधिपति



मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगे साथ ही बन्धु तथा मित्र वर्ग से मधुर तथा घनिष्ठ संबंध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा दूसरे लोगों की भलाई के कार्यों में भी आप तत्पर रहेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को मन से स्वीकार करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक फैलेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में स्त्री तथा पुत्र से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या वस्तुओं को अर्जित कर सकते हैं। इस प्रकार आप आनन्द पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

वार्षिक फलादेश - 2021

इस वर्ष शनि मकर राशि में एकादश भाव में और राहु वृष राशि में तृतीय भाव में रहेंगे। 6 अप्रैल को गुरु कुम्भ राशि में द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 सितम्बर को मकर राशि में एकादश भाव में गोचर करेंगे और मार्गी होकर फिर से 20 नवम्बर को कुम्भ राशि में द्वादश भाव में आजाएंगे। मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 17 फरवरी से 19 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष पूर्ण फलदायक रहेगा। वर्ष के शुरुआत में सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि व्यापार में उन्नति के योग बना रही है। यदि आप कुछ नया करने जा रहे हैं तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे आपके कार्यों में सफलता की मात्रा और बढ़ जाएगा। आप अपने व्यापार में अच्छा लाभ प्राप्त करेंगे। व्यापार में आपके बाईयो का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

6 अप्रैल से 14 सितम्बर तक गुरु ग्रह का गोचर द्वादश स्थान में होगा। उस समय बाहरी सम्बन्धों से लाभ के योग हैं। इस अवधि में स्थानान्तरण के योग हैं। सितम्बर के बाद और अधिक अनुकूल हो जाएगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। एकादश स्थान में गुरु एवं शनि की युति प्रभाव से धनागम में निरंतरता बना रहेगा। जिससे आप इच्छित बचत करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे।

6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर द्वादश स्थान में होगा। उस समय धन का अनावश्यक व्यय होगा। आपपरिवार में मांगलिक कार्य पर धन का व्यय करेंगे। 14 सितम्बर के बाद आपके रुके हुए पैसे मिल सकते हैं और अकस्मात् धन लाभ भी हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। अधिक व्यस्तता के कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। परन्तु आपका पारिवारिक माहौल अनुकूल रहेगा। आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। 6 अप्रैल से 14 सितम्बर के मध्य आपका पारिवारिक माहौल थोड़ा प्रभावित हो सकता है। परन्तु सितम्बर के बाद बहुत अच्छा हो जाएगा।

तृतीय स्थान का राहु आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगा।

सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति के प्रबल योग बन रहे हैं।

आपके बच्चे की शिक्षा में सुधार होगा। यदि आपकी दूसरी सन्तान विवाह के योग्य है तो उसका विवाह संस्कार हो जाएगा। 6 अप्रैल से 14 सितम्बर तक समय थोड़ा प्रतिकूल होगा परन्तु सितम्बर के बाद फिर से अनुकूल हो जाएगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे। प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे। यदि पहले से कोई बीमारी नहीं है तो वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्यबर्धक रहेगा।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान-पान एवं दिनचर्या भी सही रखेंगे। मौसम जनित कोई बीमारी होती है तो शीघ्र ही स्वस्थ हो जाएंगे। 6 अप्रैल से 14 सितम्बर तक द्वादश स्थान स्थित गुरु आपके स्वास्थ्य को थोड़ा प्रभावित कर सकते हैं। परन्तु सितम्बर के बाद फिर से अनुकूल हो जाएगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश पाना सम्भव है।

जिन जातको की नौकरी अभी नहीं लगी है उन लोगों को 14 सितम्बर के बाद नौकरी मिल सकती है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। 6 अप्रैल के बाद द्वादश स्थान का गुरु आप को विदेश यात्रा करा सकते हैं। मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण के योग भी हैं।

तृतीय स्थान का राहु छोटी यात्रा कराता रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्म भूमि की यात्रा हो सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

नवमस्थ केतु के प्रभाव से आपका मन तन्त्र-मन्त्र आदि क्रियाओं की ओर आकर्षित होगा।

- प्रत्येक दिन सूर्य को अर्घ्य दें।
- वीरवार के दिन पीली वस्तु का दान करें और वृहस्पतिवार का व्रत रखें।
- विष्णुसहस्रनाम का पाठ करें एवं अपने घर में लड्डू गोपाल की मुर्ति स्थापित करें।



मासिक फलादेश

जनवरी 2021 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

फरवरी 2021 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे। अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रुचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे। मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही मनोच्छिन्न द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी। संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है। अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

मार्च 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे। इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

अप्रैल 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी। उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

मई 2021 के लिए फलादेश

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप

से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे। साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप गमिया पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

जून 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

जुलाई 2021 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबंध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिवर्तन का योग भी

बनता है। साथ ही अस्थायी कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते हैं तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत्त होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अगस्त 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।

सितम्बर 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस

मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबंधियों से मधुर संबंध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते हैं। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अक्टूबर 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही आपके शत्रु भी बलवान होंगे जिससे आप उनसे भी भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा जिसके कारण आपके मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। फलतः मानसिक रूप से आप अत्यंत ही अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से भी समय समय पर वाद विवाद तथा संघर्ष होते रहेंगे जिससे समाज में भी सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सोच समझकर अपना समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोषों से अस्वस्थ होंगे फलतः शरीर में निर्बलता रहेगी। इस समय रूधिर विकार भी हो सकता है अतः सावधानी पूर्वक रहें एवं दुर्घटनाओं की उपेक्षा करें। इसके अतिरिक्त इस समय आग के द्वारा भी आपकी क्षति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा।

नवम्बर 2021 के लिए फलादेश

इस मास में आप सामान्यतया शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव अल्प मात्रा में रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इससे आप में दुर्बलता भी आएगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी करेंगे साथ ही अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा इस समय मुकद्दमे आदि में भी धन का व्यय हो सकता है। अतः संयमपूर्वक इस समय को व्यतीत करें अन्यथा कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः

आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा उससे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही समाज में आप यश भी प्राप्त करेंगे।

दिसम्बर 2021 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानिय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश भाग्योदय संबन्धी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

वार्षिक फलादेश - 2022

इस वर्ष 13 अप्रैल को गुरु मीन राशि में प्रथम भाव में और 17 मार्च को राहु मेष राशि में द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। 29 अप्रैल को शनि कुम्भ राशि में द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 12 जुलाई को मकर राशि में एकादश में आजाएंगे। 30 सितम्बर से 21 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यापारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ मिला जुला रहेगा। इस समय के अन्तराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाएं। नौकरी करने वालों का अस्थायी रूप से स्थानान्तरण हो सकता है।

13 अप्रैल के बाद सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप अपने व्यापार में कुछ विशेष करेंगे जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। लग्न स्थान स्थित गुरु से आप नये-नये विचारों के बल पर व्यापारिक उन्नति प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। केवल वर्षारम्भ में द्वादशस्थ गुरु के चलते धन का व्यय अधिक होगा परन्तु 13 अप्रैल के समय अच्छा हो रहा है। एकादशस्थ शनि धनागम में निरंतरता बनाए रखेंगे। जिससे आपके पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है।

आपका रुका हुआ धन मिल सकता है। आपके बड़े भाई या मित्रों से भी लाभ प्राप्त हो सकता है। निवेश के लिए यह समय विशेष अनुकूल है। यदि इस आपने निवेश किया तो आपको इच्छित बचत हो सकती है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में अधिक व्यस्तता के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। जिसके कारण किसी के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय कुछ अनुकूल होगा परन्तु परिवार में फिर कुछ तनाव की स्थिति रह सकती है अतः धैर्य से काम लें। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

संतान

संतान की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल है। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। 13 अप्रैल को गुरु ग्रह का गोचर लग्न स्थान में होगा। उस समय आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे।

आपके दूसरे बच्चे के लिए समय बहुत अच्छा है। यदि वह विवाह के योग्य है तो उसका विवाह भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। द्वादश स्थान में गुरु का गोचर आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। यदि पहले से किसी बीमारी से ग्रसित हैं तो यह समय अधिक कष्ट कारक हो सकता है।

13 अप्रैल के बाद समय बहुत अच्छा हो रहा है। लग्न स्थान के गुरु के प्रभाव से मन में अच्छे विचार आएंगे। आप शाकाहारी भोजन, सुचारु दिनचर्या, योग व ध्यान आदि क्रियाओं के महत्व को समझते हुए इन्हें अपने जीवन में अपनाकर मन की शुद्धि व शारीरिक आरोग्यता प्राप्त करेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा, षष्ठ स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आप सफलता प्राप्त रहेंगे। कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में अधिक सुधार लाएंगे।

वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, आपके कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय और अनुकूल हो रहा है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है। द्वादशस्थ गुरु विदेश यात्रा के अच्छा योग बना रहे हैं। इस समय के अंतराल में आप विदेश यात्रा करेंगे।

13 अप्रैल के बाद लम्बी व छोटी यात्रा के योग बन रहे हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

नवम एवं पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान व पूजा पाठ के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। आप अपने

गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे और गरीबों की सहायता करेंगे।

- माता-पिता, गुरु, साधू-सन्तों, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने गले में धारण करें तथा दुर्गा कवच का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन सूर्य को अर्घ्य दें।



मासिक फलादेश

जनवरी 2022 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्ता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होगी तथा समाज में आपको उचित सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सम्मान तथा सहयोग अर्जित होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे मानसिक रूप से शान्ति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप सरकार या अधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस समय आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों आदि की भी आपको इस समय प्राप्ति हो सकती है। अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

फरवरी 2022 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख तथा प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस मास में आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन भी पूर्ण प्रसन्न रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रुचिशील रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में आपको मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में यश तथा सम्मान प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः इस मास को आप सुखपूर्वक व्यतीत करेंगे।

मार्च 2022 के लिए फलादेश



यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रूप से व्यतीत होगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुष्ट मनुष्यों की संगति से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय आप आर्थिक संकट से भी उलझे रहेंगे। अतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अत्यन्त परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित पूजन तथा सत्कार नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप हानि प्राप्त करेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से मधुर संबन्ध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से लाभ अर्जित करेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। जिसके फलस्वरूप कोई धार्मिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इस प्रकार यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा।

अप्रैल 2022 के लिए फलादेश

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे। अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है। अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

मई 2022 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबन्ध भी

मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्टान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रुचि रहेगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यों में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

जून 2022 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

जुलाई 2022 के लिए फलादेश

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विघ्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग

बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अगस्त 2022 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

सितम्बर 2022 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते हैं। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबंधियों से आपके संबंधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्तजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि

के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

अक्टूबर 2022 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

नवम्बर 2022 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। आपके सांसारिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

दिसम्बर 2022 के लिए फलादेश



यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रुचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।